

## वीर तेजा जी किसान जाट छात्रावास संस्थान

1. नाम व पता – वीर तेजा जी किसान जाट छात्रावास संस्थान  
सदर बाजार, परबतसर नागौर

रजि. न. – 100 / नागौर / 2016–17

2. इतिहास – सन् 01.05.1946 मे मेजर बिरमराम एवं चौ भीयारामजी के नेतृत्व में समाज के सहयोग व्यास, धन्नराज, पन्नालाल, शंकरलाल का वीर मौहले में रिक्त एक मकान 8500 में खरीद कर उस समय में छात्रावास यही शुरू किया गया था। बाद मे समाज ने 18 बिघा भुमी रेल्वे स्टेशन के पास लेकर छात्रावास वहाँ पर शुरू कर दिया। जब से यह हवेली ऐसे ही पड़ी-पड़ी खण्डर हो गयी। जिसको 2020 में तोड़कर यहाँ पर नया भवन बनाया जा रहा है। जिसे आगामी सत्र से बालिकाओं के लिए तैयार कर लिया जायगा। मेजर बिरमा राम का जन्म एक साधारण किसान सेवाराम नेत्रा, बोरावड़ (मकराना) के यहाँ पर 1894 में हुआ। पिता सेवाराम ने अपने होनहार पुत्र को 18 वर्ष की आयु में 22 अप्रैल 1913 ई. को तत्कालीन भारतीय सेना में सिपाही के रूप में भर्ती करवाया। उस समय वे अशिक्षित ही थे लेकिन सेवा में आते ही सिपाही बिरमा राम ने अपने साथियों एवं अधिकारियों के सहयोग से शिक्षित होने का उपक्रम शुरू कर दिया। धीरे-धीरे अपनी लगन एवं कुशाग्र बुद्धि से वे सुशिक्षित सैनिक बन गये। यह सब प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान सम्भव हुआ जब अंग्रेजों की तरफ से लड़ने वाली सेना में वे मिस्त्र (जैतुन) में रहे। उनकी योग्यता व शैक्षणिक हुनर को ध्यान में रख कर इनको एन.सी.ओ. क्लास पढ़ाने के लिए अनुदेशक नियुक्त किया गया। प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् इनको कर्तव्य के प्रति समर्पित सराहनीय कार्य के लिए नवम्बर 1920 में 'जंगी ईनाम' दिया गया जिसमें ईनामी राशि दो पीढ़ियों तक मिलने की स्वीकृति प्रदान की गयी। फरवरी 1936 में आपकी पदोन्नति सूबेदार मेजर पद पर की गयी। इसके तत्काल बाद ही जोधपुर स्टेट गर्वनमेन्ट ने आपको जोधपुर स्टेट आर्मी में कब्टेन (कप्तान) पद पर नियुक्ति प्रदान की। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान (1939–1945) वे अंग्रेजों के लिए लड़ने वाली भारतीय सेना में कार्यरत रहे। इसी दौरान इनको 1944 में मेजर पद की रैंक से नवाजा गया। उस समय वे तृतीय जोधपुर इंफेन्ट्री में थे। 1945 में ही तत्कालीन सिन्ध प्रान्त में 'हूरो' के आतंक को नियंत्रित करने के लिए इनके नेतृत्व में जोधपुर दरबार ने सेना की एक टुकड़ी सिंध भेजी। उस समय आतंकी जोधपुर रेलवे के विरुद्ध उत्पात मचा कर सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाते थे। मेजर बिरमराम के कुशल नेतृत्व व दूरदर्शिता का ही परिणाम था कि आतंकियों का सफाया हो जाने से क्षेत्र में अमन व सुरक्षा का वातावरण पुनः स्थापित हुआ। इस बहादुरी से जोधपुर दरबार ने प्रसन्न होकर मेजर बिरमा राम को 'केफियत' सम्मान से पुरस्कृत किया जिसकी सूचना 28 सितम्बर 1945 ई. को जोधपुर स्टेट सरकार गजट में प्रकाशित है। द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् भारत में तत्कालीन रियासतों के अधीन सैनिकों की भारी निकासी से उनके पुनर्वास की समस्या खड़ी हुई। इस समस्या के समाधान हेतु जोधपुर दरबार ने 31 मई 1946 ई. को मेजर बिरमराम को सहायक निदेशक पुनर्वास व

कल्याण विभाग में नियुक्त कर सेना से निकले सैनिकों के पुनर्वास व कल्याण का जिम्मा सौंपा। इस पद पर 1948 ई. तक रहे।

सेवानिवृत्ति के पश्चात् मेजर बिरमा राम ने अपना जीवन समाजसेवा को समर्पित कर दिया और किसानों में शिक्षा प्रसार के साथ किसान छात्रावासों की व्यवस्था सुधारने में अहम भूमिका निभाई। वे वीर तेजा जाट छात्रावास परबतसर, नागौर के प्रारम्भ से यानी 1945 से 1972 ई. तक छात्रावास संचालन समिति के अध्यक्ष रहे।

राजस्थान में पंचायतीराज की शुरुआत में मेजर बिरमाराम मकराना तहसील के सरपंच बने। शीघ्र ही भारत सरकार द्वारा पंचायती राज स्थापना के पश्चात् आप 1959 में पंचायत समिति मकराना के प्रथम प्रधान निर्विरोध निर्वाचित हुए। 2 अक्टूबर 1959 को स्व. जवहारलाल नेहरू तत्कालीन प्रधानमंत्री, देश में पंचायत राज की शुरुआत करने नागौर पधारे तब नेहरू की अगवानी करने का सौभाग्य मेजर बिरमाराम को मिला। सेना से सेवानिवृत्ति के पश्चात् जीवन पर्यन्त समाज सेवा करते हुए इनका स्वर्गवास 24 नवम्बर 1982 को हुआ।

डॉ. गंगाराम जाखड़, एच.आर इसराण व जोगाराम सारण की पुस्तक “मारवाड़ जाट समाज—समाजिक एवं शैक्षिक जागृति” से साभार

3. **कार्यकारिणी** – 2020 में नवीन कार्यकारिणी ने निर्णय किया कि यहाँ पर किसान छात्रावास की पुरानी बिल्डिंग तोड़कर नई बनाई जा रही है।

# श्री वीर तेजा जाट छात्रावास परबतसर नागौर

वर्तमान प्रबन्धन कार्यकारिणी

क्रम संख्या	नाम	पद	मोबाइल
1	श्री प्रहलाद राम विघ्वा	संरक्षक	9460272911
2	श्री लक्ष्मणराम बडारडा	संरक्षक	9414301187
3	श्री बन्ना राम रिणवा	संरक्षक	9460955267
4	श्री काना राम सियाक	संरक्षक	9829073835
5	श्री लिखमा राम किरडोलिया	अध्यक्ष	9461125220
6	श्री हरजीराम पिलानिया	उपाध्याय	9950644500
7	श्री प्रमेश्वर मुण्डेल	उपाध्याय	9837887490
8	श्री राजेश कर्वा	सचिव	9829415448
9	श्री मदनलाल बेंदा	कोषाध्यक्ष	9413277215
10	श्री खियाराम बिजारणिया	सहसचिव	9166914527
11	श्री सुरेश डाका	मिडिया प्रभारी	9829705262
12	श्री अश्विनी भादू	विधि सलाहकार	9950060211
13	श्री भागिरथ नुवाद	सदस्य	9460549480
14	श्री मुला राम जाजडा	सदस्य	7877885365
15	श्री हेमा राम चन्देलिया	सदस्य	9414410889
16	श्री पूराराम चौयल	सदस्य	9413171241
17	श्री ओम प्रकाश मुण्डवाडिया	सदस्य	9602023673
18	श्री अणदाराम चौयल	सदस्य	9413171281
19	श्री राजेन्द्र गोदारा	सदस्य	9413476847
20	श्री मेघाराम बेनिवाल	सदस्य	9828432457
21	श्री जगन्नाथ बडारडा	सदस्य	9413117222
22	श्री मोटा राम बेनिवाल	सदस्य	9413520390
23	श्री गोपाल थाकण	सदस्य	9413412805
24	श्री राजूराम मुदलिया	सदस्य	9672055556
25	श्री गिरधारी झुडी	सदस्य	9784576455
26	श्री अजय नुवाद	सदस्य	9460035966
27	श्री पोकर राम कडवा	सदस्य	9413986232
28	श्री नेमीचन्द डारा	सदस्य	9413928227
29	श्री पुरखा राम पादडा	सदस्य	8077988256
30	श्री परमा राम मुरावतिया	सदस्य	9460754907
31	श्री प्रकाश खोखर	सदस्य	9414287777
32	श्री नाथुराम सियाग	सदस्य	9828334850
33	श्री रामाकिशन नेण	सदस्य	9887225415
34	मुलाराम जाजडा	सदस्य	7877885365

अध्यक्ष

वीर तेजा किसान जाट छात्रावास  
परबतसर (नागौर) राज.